भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्याः 5282

उत्तर देने की तारीख: 04.04.2022

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत भाषा नीति

†5282.**श्री बी.वाई. राघवेन्द्र:**

श्री एस. मुनिस्वामी:

श्री कराडी सनगन्ना अमरप्पा:

श्री अण्णासाहेब शंकर जोल्ले:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या नई शिक्षा नीति में राज्यों की पहली स्थानीय भाषा के अलावा हिंदी और संस्कृत को दूसरी या तीसरी भाषा के रूप में शामिल किए जाने का प्रावधान है और यदि हां, तो क्या इसे अगले वर्ष से लागू किया जा रहा है;

(ख) क्या सार्वजनिक/शिक्षा संस्थानों/राज्यों से प्राप्त फीडबैक के बाद नई शिक्षा नीति की समीक्षा की जा रही है; और

(ग) क्या सरकार का विचार 10+2+4 शिक्षा प्रणाली या एक अलग विशिष्ट पैटर्न लागू करने का है, जिससे लोकप्रिय विदेशी विश्वविद्यालयों में छात्रों के प्रवेश में बाधा या अवरोध उत्पन्न नहीं हो और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सुभाष सरकार)

(क): राष्ट्रीय शिक्षा नीति **2020,** राष्ट्रीय शिक्षा नीति **1968** और **1986** की तरह, दोहराती है कि संवैधानिक प्रावधानों, लोगों, क्षेत्रों और संघ की आकांक्षाओं और बहुभाषावाद को बढ़ावा देने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए त्रिभाषा सूत्र लागू किया जाना जारी रहेगा। हालांकि, त्रिभाषा फार्मूले में अधिक नम्यता होगी और किसी भी राज्य पर कोई भाषा नहीं थोपी जाएगी। बच्चों द्वारा सीखी जाने वाली तीन भाषाएं राज्यों, क्षेत्रों और निश्चित रूप से स्वयं छात्रों की पसंद होंगी, जहां तीन में से कम से कम दो भाषाएं भारत की मूल भाषाएं हों।

(ख): राष्ट्रीय शिक्षा नीति **2020** को राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों, भारत सरकार के मंत्रालयों, संसद सदस्यों, जनता आदि को शामिल करते हुए ऑनलाइन, जमीनी स्तर और विषयगत विशेषज्ञ परामर्श के माध्यम से अत्यधिक भागीदारी, समावेशी और बहु-आयामी परामर्श प्रक्रिया के बाद अंतिम रूप दिया गया है। शिक्षा मंत्रालय, अन्य संबंधित मंत्रालयों/विभागों, राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों की सरकारों और उनके अधिकार क्षेत्र में कार्यान्वयन एजेंसियों ने एनईपी 2020 के कार्यान्वयन की दिशा में पहल करना शुरू कर दिया है।

(ग): राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, स्कूली शिक्षा के लिए पाठ्यचर्या और शैक्षणिक संरचना और पाठ्यचर्या ढांचे को 5+3+3+4 डिजाइन द्वारा निर्देशित किया जाना है और उच्च शिक्षा में, स्नातक की डिग्री या तो 3 या 4 साल की अवधि के भीतर कई निकास विकल्पों, उपयुक्त प्रमाणपत्रों के साथ होगी।

*****